RESEARCH REVIEW JOURNALS
Volume-03
Issue-12
December -2018

ISSN: 2455-3085 (Online)
RESEARCH REVIEW International Journal of Multidisciplinary
www.rrjournals.com [UGC Listed Journal]

शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ नगरीय समूह के जनसंख्या स्वरूप का शोधपरक अध्ययन

करतार सिंह

शोधार्थी, भूगोल विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

ARTICLE DETAILS

Article History
Published Online: 10 November 2018

Keywords
जनसंख्या वितरण, जनसंख्या घनत्व, लिंगानुपात, साक्षरता, कार्यात्मक स्वरूप आदि।

ABSTRACT

नगरीय विकास में जनसंख्या सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण घटक है। जनसंख्या वृद्धि का नगरीय भूमि उपयोग पर अत्यधिक प्रभाव पड़ता है। जिससे यहाँ का पर्यावरणीय स्वरूप भी प्रभावित होता है, जनसंख्या वृद्धि के साथ भूमि उपयोग में परिवर्तन आना स्वाभाविक है। बढ़ती जनसंख्या जीवन निर्वहन हेतु भूमि पर आश्रित रहती है, परिणामस्वरूप भूमि उपयेाग में परिवर्तन आता है और यह निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है। जनसंख्या में वृद्धि होने पर नगरीय विस्तार में वृद्धि होती है। तकनीक द्वारा नगरीय भूमि उपयोग परिवर्तन तीव्रता से होता है, जिससे वहाँ बढ़ती हुई जनसंख्या के लिये आवास परिवहन एवं रोजगार के लिए नवीन क्षेत्रों की आवश्यकता होती है। नगरीय भूमि उपयोग प्रणाली एवं विकास तकनीकी परस्पर सह–सम्बन्धित होते है। जनसंख्या में वृद्धि होने पर कृषि भूमि का अधिकतम उपयोग होने लगता है और तद्नुरूप तकनीकी में परिवर्तन शक्ति संसाधन एवं उपयोग अधिक होने लगता है जो नगरीय विकास को गति देते है तथा अनेक समस्याऐं भी उत्पन्न करती है।

परिचय –

किसी क्षेत्र या देश का आर्थिक विकास जिस प्रकार प्राकृतिक संसाधनों से प्रभावित होता है उससे कहीं अधिक योगदान क्षेत्र के आर्थिक विकास मेंजनसंख्या का होता है। प्राकृतिक संसाधन निष्क्रिय होते है लेकिन मानव ही प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करता है। जनसंख्या, श्रम, पूर्ति, कार्य क्षमता, कार्यकुशलता, साक्षरता,स्वास्थ्य आदि सभी तथ्य मानव शक्ति के रूप में प्रभाव दिखाते है।

किसी भी क्षेत्र के लिए जनसंख्या उसके जीवन के रक्त के रूप में होती है इसलिए जनसंख्या के अध्ययन के बिना क्षेत्र के किसी भी तत्व का अध्ययन सम्पूर्ण नहीं हो सकता। प्रस्तुत शोध प्रबंध नगरीय भूमि उपयोग परिवर्तन का पर्यावरणीय प्रभाव के विश्लेषण में जनसंख्या का बहुत अधिक महत्व है। किसी क्षेत्र की जनसंख्या वृद्धि, भूमि उपयोग को प्रभावित करती है यहीं कारण है कि जनसंख्या वृद्धि के साथ–साथ शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ नगरीय समूह के भूमि उपयोग का क्षेत्रफल भी तीव्र गति से बढ़ रहा है। जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र का भूमि उपयोग प्रारूप निरंतर बदल रहा है। शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ (SNB) नगरीय समूह की कार्यशील जनसंख्या का लगभग 48 प्रतिशत भाग अपनी जीविका हेतु कृषि पर निर्भर है।

अध्ययन क्षेत्र–

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का संघटक राजस्थान उप क्षेत्र राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के दक्षिण–पूर्वी क्षेत्र में स्थित है तथा इसमें सम्पूर्ण अलवर जिला सम्मिलित है। अध्ययन क्षेत्र शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ (SNB) नगरीय समूह राजस्थान उप क्षेत्र के उत्तर–पश्चिमी भाग में स्थित है। यह $27^0$48′ से $28^0$06′ उत्तरी अक्षांश एवं $76^0$13′ से $76^0$37′ पूर्वी देशान्तर पर स्थित है। उत्तर से दक्षिण में इसकी लम्बाई लगभग 36 कि.मी. है तथा चौड़ाई लगभग 18 कि.मी. है। बहरोड़ नगरपालिका क्षेत्र के अतिरिक्त यह क्षेत्र मुख्यतः ग्रामीण है। साथ ही इस क्षेत्र में रीको द्वारा नीमराना एवं शाहजहाँपुर में औद्योगिक केन्द्रों का विकास किया गया है।

शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ (SNB) नगरीय क्षेत्र में बहरोड़ नगरपालिका क्षेत्र सहित 137 राजस्व ग्राम सम्मिलित है तथा इस नगरीय क्षेत्र का कुल क्षेत्रफल 550.6 कि.मी. है।जनगणना 2011 के अनुसार इस नगरीय क्षेत्र की जनसंख्या 3,14,360 तथा जनसंख्या घनत्व 570 व्यक्ति प्रतिवर्ग कि.मी. है। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 जयपुर–दिल्ली मार्ग इस क्षेत्र के मध्य से गुजरता है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से इसकी दूरी लगभग 120 कि.मी. है तथा यह हरियाणा राज्य की सीमा से लगता हुआ है। हरियाणा राज्य में डीएमआईसी ;क्डप्ब्द्ध द्वारा प्रस्तावित मानेसर बावल इन्वेस्टमेन्ट रीजन तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 पर दिल्ली–गुड़गांव–बावल– बहरोड़ एक सतत् नगरीय क्षेत्र के रूप में विकसित हो रहा है।

RRIJM 2015, All Rights Reserved

शाहजहाँपुर–नीमराणा–बहरोड़ (छठ) नगरीय समूह का मानचित्र

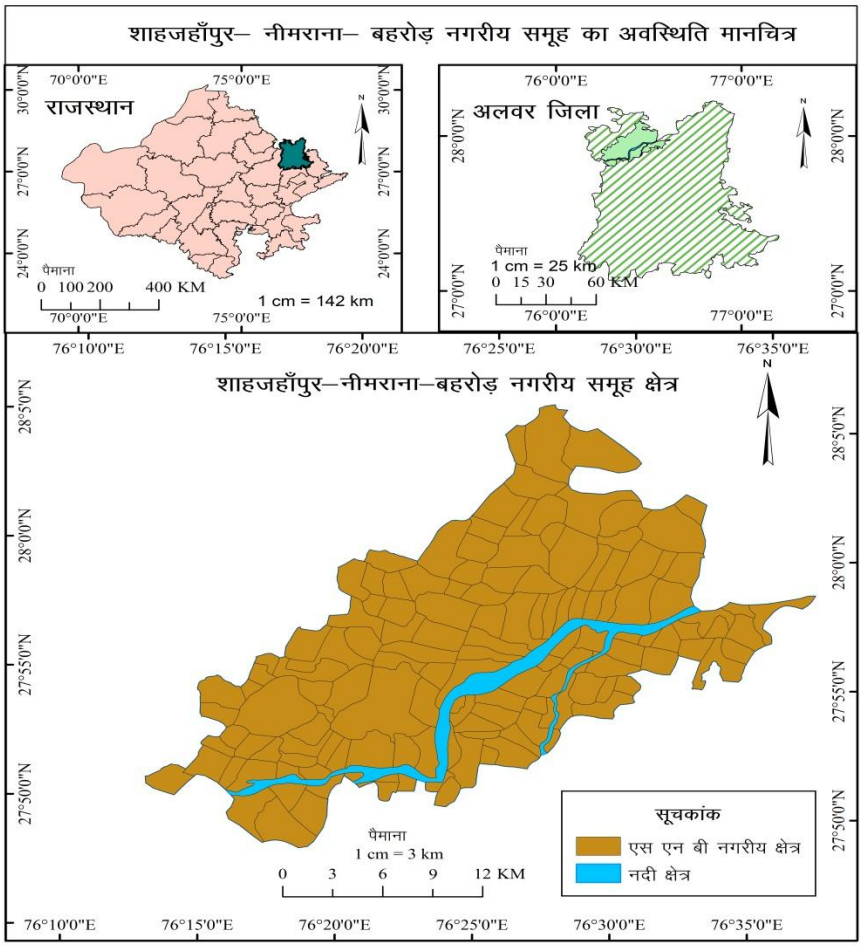

शोध उद्देश्य –

1. अध्ययन क्षेत्र के जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का अध्ययन करना।
2. अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या वृद्धि दर एवं लिंगानुपात का अध्ययन करना।
3. अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता एवं कार्यात्मक संरचना का अध्ययन करना।

शोधपरिकल्पनाऐं–

1. अध्ययन क्षेत्र में बढ़ते हुए औद्योगीकरण एवं नगरीकरण के परिणाम स्वरूप जनसंख्या स्वरूप बदल रहा है।
2. बढ़ते हुए जनसंख्या स्वरूप के परिणामस्वरूप पर्यावरणीय समस्याऐं निरन्तर बढ़ रही हैं।

विधितंत्र एवं आँकड़ों का संकलन–

प्रस्तुत शोध पत्र द्वितीय आँकड़ों पर आधारित है। शोध पत्र में आनुभाविक एवं मानचित्रण 2 प्रकार के विश्लेषणों द्वारा अध्ययन किया गया है। शोध पत्र में प्रस्तुत द्वितीयक आँकड़े राजस्थान सरकार द्वारा प्रकाशित और अप्रकाशित पत्र–पत्रिकाओं से लिये गये हैं। शोधपत्र में आवश्यकतानुसार सारणीयन एवं आरेखों का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या वितरण एवं घनत्व –

जनसंख्या वितरण एवं घनत्व दोनों परस्पर सम्बन्धित है लेकिन भिन्न सकंल्पनाऐं है। जनसंख्या वितरण एवं घनत्व अध्ययन की पृष्ठ भूमि से पता चलता है कि जनसंख्या भूगोल के एक स्वतंत्र शाखा के रूप में विकसित होने से पूर्व ही जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का आपसी सम्बंध किसी भी क्षेत्र की जनसंख्या की जानकारी प्राप्त करने के लिए जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का विश्लेषण मुख्य आधार होता है। जनसंख्या वितरण प्रारूप न केवल मनुष्य के किसी क्षेत्र विशेष में बचाव सम्बंधित अभिरूचि एवं विरूचि का द्योतक है। अपितु क्षेत्र में कार्यरत भौगोलिक कारकों के संश्लेषण का स्पष्ट प्रदर्शक भी होता है।

मानव सभ्यता के विकास एवं उसमें आई जटिलताओं के साथ–साथ न तो जनसंख्या वितरण प्रारूप ही सरलता से मिलता है और न ही इसके वितरण का स्पष्टीकरण क्योंकि वर्तमान समय में जनसंख्या वितरण बहुत अधिक क्षेत्रीय विस्तार लिये हुऐ है और साथ ही राजनीतिक एवं प्रशासनिक इकाईयाँ भी बढ़ गई है। अब जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का अध्ययन एक जटिल प्रक्रिया जरूर है लेकिन जनसंख्या भूगोलवेत्ताओं ने जनसंख्या वितरण एवं घनत्व का सफलतापूर्वक विश्लेषण किया है।

RRIJM 2015, All Rights Reserved

जनसंख्या वितरण

जनसंख्या वितरण किसी क्षेत्र की जनांकिकीय विशेषताओं के अध्ययन का आधार होता है, जनसंख्या का वितरण क्षेत्रीय प्रारूप की ओर इशारा करता है। जनसंख्या वितरण से आशय विभिन्न क्षेत्रों में लोग कितनी संख्या में निवास करने से है। शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ (SNB) नगरीय समूह में जनसंख्या का वितरण असमान है यहाँ कहीं पर बहुत अधिक जनसंख्या निवास करती है तथा कहीं पर बहुत कम जनसंख्या निवास करती है। शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ (SNB) नगरीय समूह की जनसंख्या संरचना को सारणी में दर्शाया गया है।

शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ (SNB) नगरीय समूह की जनसंख्या संरचना (2011)

श्रेणी	वर्ष 2011		
	कुल	पुरूष	महिला
अनुसूचित जाति की जनसंख्या	47375 (15.07%)	25810 (08.21%)	21565 (06.85%)
अनुसूचित जन जाति की जनसंख्या	8174 (02.60%)	4106 (01.30%)	4068 (01.29%)
कुल जनसंख्या	314360 (100%)	165228 (52.56%)	149132 (47.43%)

स्त्रोत : जिला सांख्यिकी कार्यालय, अलवर

सारणी से स्पष्ट होता है कि 2011 की जनगणना के अनुसार शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ नगरीय समूह की कुल जनसंख्या 314360 है। जिसमें 165228 पुरूष एवं 149132 स्त्रियाँ हैं अर्थात् शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ नगरीय समूह की कुल जनसंख्या में 52.56 प्रतिशत पुरूष तथा 47.43 प्रतिशत स्त्रियाँ हैं। इस नगरीय समूह में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या क्रमशः 47375 (15.07 प्रतिशत) एवं 8174 (02.60 प्रतिशत) है।

शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ (SNB) नगरीय समूह की जनसंख्या संरचना (2011)

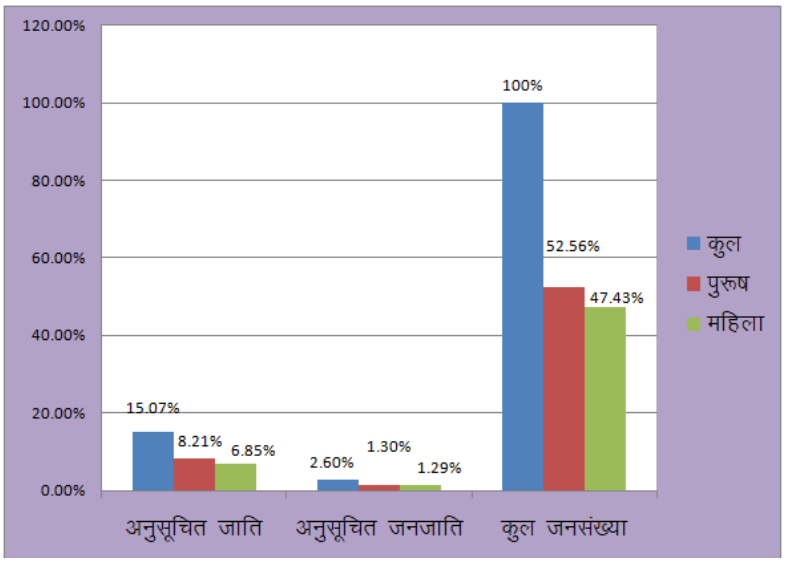

जनसंख्या घनत्व

प्रतिवर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर निवास करने वाले लोगों की संख्या को जनसंख्या घनत्व कहते है। घनत्व किसी प्रदेश की उन्नति और भावी विकास का अनुमान लगाने में मुख्य आधार होता हैं। जनसंख्या घनत्व कई कारणों का परिणाम हैं जिसमें प्राकृतिक,सामाजिक,ऐतिहासिक और कृषि आदि कारकों को गिनाया जा सकता हैं। अध्ययन क्षेत्र की भौगोलिक असमानता के कारण यहाँ जनसंख्या घनत्व में विभिन्नता पाई जाती है। वर्ष 2011 की जनसंख्या के अनुसार अध्ययन क्षेत्र का कुल जनसंख्या घनत्व 570 व्यक्ति प्रतिवर्ग किलोमीटर है।

RRIJM 2015, All Rights Reserved

शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ (SNB) नगरीय समूह के नगर एवं कस्बों का जनसंख्या घनत्व (2011)

नगरीय समूह	कुल जनसंख्या	जनसंख्या घनत्व
शाहजहाँपुर	9837	995
नीमराना	7143	985
बहरोड़	29531	1960

स्त्रोत : जिला सांख्यिकी कार्यालय, अलवर

सारणी से स्पष्ट होता है कि 2011 की जनगणना के अनुसार शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ नगरीय समूह में कुल एक नगर एवं दो कस्बे हैं। जिनमें शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ का जनसंख्या घनत्व क्रमशः 995, 885, 1960 प्रतिवर्ग किलोमीटर है। इस नगरीय समूह में अधिकतम जनसंख्या घनत्व बहरोड़ नगर की 1960 प्रतिवर्ग किलोमीटर है तथा न्यूनतम जनसंख्या घनत्व नीमराना 985 प्रतिवर्ग किलोमीटर है।

शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ (SNB) नगरीय समूह के नगर एवं कस्बों का जनसंख्या घनत्व (2011)

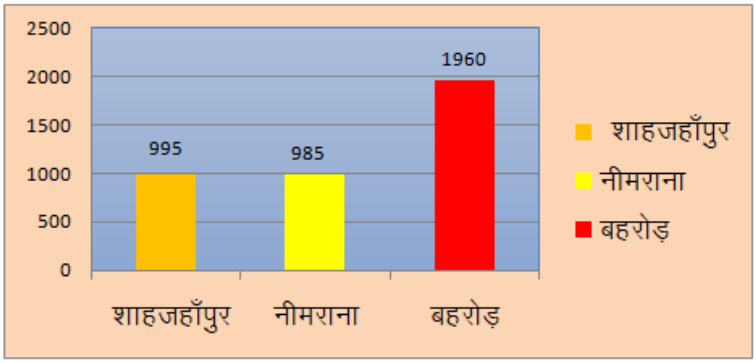

जनसंख्या वृद्धि दर

किसी क्षेत्र की जनसंख्या वृद्धि दर उस क्षेत्र की आर्थिक प्रगति सामाजिक मान्यताओं, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि आदि का प्रतिफल होती है। एक निश्चित समयावधि में किसी स्थान के निवासियों की संख्या में हुऐ परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि द्वारा व्यक्त किया जाता है। जनसंख्या वृद्धि को कुल जनसंख्या तथा प्रतिशत दोनों के द्वारा व्यक्त किया जा सकता है। प्रतिशत मूल्य ज्ञात करने के लिये निरपेक्ष वृद्धि को विगत वर्ष की जनगणना से भाग देकर 100 से गुणा कर दिया जाता है तथा वास्तविक वृद्धि दर ज्ञात करने के लिये 10 का भाग देकर ज्ञात की जाती है। सारणी में शाहजहाँपुर–नीमाराना– बहरोड़ नगरीय समूह की जनसंख्या वृद्धि दर को प्रदर्शित किया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है–

शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ नगरीय समूह जनसंख्या वृद्धि दर (1971–2011)

दशक	जनसंख्या	वृद्धि दर(%)
1971	1.19	–
1981	1.49	25.21
1991	1.86	24.83
2001	2.32	24.73
2011	3.14	35.34
2041′	18.20	–

स्त्रोत : जनगणना विभाग, जयपुर

सारणी से स्पष्ट होता है कि शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ नगरीय समूह की जनसंख्या में तीव्र गति से परिवर्तन हुऐ हैं। वर्ष 1971 में इस नगरीय समूह की कुल जनसंख्या 1.19 लाख व्यक्ति थी, जो वर्ष 1981 में बढ़कर 1.49 लाख हो गयी अर्थात् 1961 से 1981 के दशक में 25.21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। वर्ष 1991 में इस नगरीय समूह की कुल जनसंख्या 1.86 लाख व्यक्ति थी, जो वर्ष 2001 में बढ़कर 2.32 लाख हो गयी अर्थात् 1991 से 2001 के दशक में 24.73 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष 2001 में इस नगरीय समूह की कुल जनसंख्या 2.32 लाख व्यक्ति थी, जो 2011 में बढ़कर 3.14 लाख व्यक्ति हो गयी अर्थात् वर्ष 2001 से 2011 के दशक में इस नगरीय समूह की वृद्धि दर 35.34 प्रतिशत रही। अतः इससे स्पष्ट होता है कि इस नगरीय समूह में औद्योगीकरण, नगरीयकरण

एवं आधुनिक तकनीकी का प्रभाव निरन्तर देखने को मिला है। मास्टर प्लान 2011 के अनुसार इस नगरीय समूह की जनसंख्या वर्ष 2041 में अनुमानित 18.20 लाख व्यक्ति होगी, जो नगरीय विकास की तीव्र गति का प्रतीक होगी।

शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ नगरीय समूह की जनसंख्या वृद्धि दर (1971–2011)

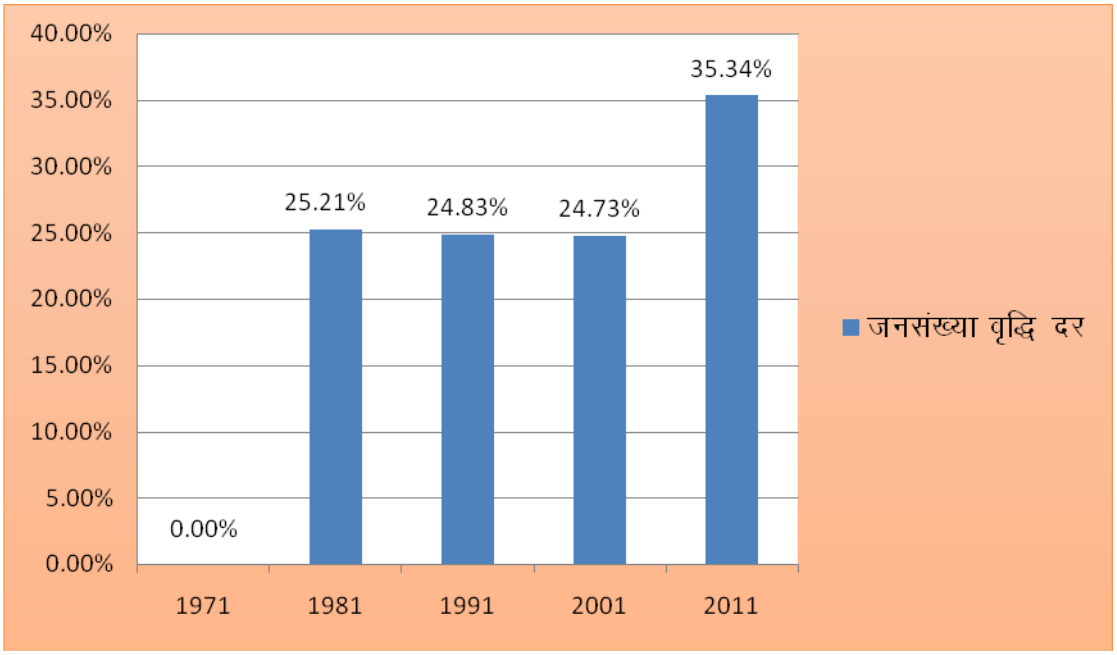

किसी भी क्षेत्र की जनसंख्या वृद्धि को प्रभावित करने में दो प्रकार के कारकों का मुख्य योगदान होता है। पहला : मृत्युदर एवं जन्मदर, दूसरा : अप्रवास एवं उत्प्रवास। दोनों ही कारक जनसंख्या वृद्धि हेतु समान निर्धारक कारक है किन्तु इस नगरीय समूह के विकास में दूसरा कारक ज्यादा प्रभावी है। शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ नगरीय समूह की जनसंख्या वृद्धि को प्रभावित करने वाले कारकों का विवरण निम्ननानुसार है–

1. अध्ययन क्षेत्र की स्थिति एवं अवस्थिति का जनसंख्या वृद्धि में मुख्य योगदान है जो राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 8 पर स्थित है। देश व प्रदेश की राजधानी के बीच स्थित होने के कारण यह नगरीय समूह उत्तम यातायात से जुड़ा हुआ है।
2. अध्ययन क्षेत्र में विविध प्रकार की प्रशासनिक सुविधाऐं जैसे पुलिस मुख्यालय, चिकित्सा सेवायें, विद्यालय, महाविद्यालय एवं अन्य शिक्षण संस्थान, बैकिंग आदि सुविधायें जनसंख्या वृद्धि को प्रभावित करने में सहायक है।
3. अध्ययन क्षेत्र में रोजगार के अच्छे अवसर होने के कारण ग्रामीण लोगों का आव्रजन होता है। पिछले दो दशकों में नगरीय समूह में आव्रजन जनसंख्या वृद्धि का महत्वपूर्ण कारक रहा है क्योंकि इस नगरीय समूह में औद्योगीकरण का विकास तीव्र गति से हुआ है।
4. दिल्ली महानगर पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिये पूरे अलवर जिले को राष्ट्रीय क्षेत्र शामिल किया गया। परिणामस्वरूप लोगों का रूझान इस नगरीय समूह की ओर आकर्षित हुआ। यहाँ खुला क्षेत्र एवं अधिक भूमि होने के कारण दिन–प्रतिदिन जनसंख्या का जमावड़ा निरन्तर बढ़ता जा रहा है।

लिगांनुपात

किसी क्षेत्र की जनसंख्या में लिगांनुपात पुरूष एवं स्त्रियों के मध्य अनुपात का सूचक है, यह प्रति एक हजार पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है। 2011 की जनगणना के अनुसार शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ नगरीय समूह का लिंगानुपात 902 हैं। सारणी में शाहजहाँपुर– नीमराना–बहरोड़ नगरीय समूह के नगर एवं कस्बों के लिंगानुपात को प्रदर्शित किया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है–

RRIJM 2015, All Rights Reserved

शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ (SNB) नगरीय समूह केनगर एवं कस्बों का लिंगानुपात वर्ष (2011)

क्र.सं.	नगरीय समूह	लिगांनुपात
1	शाहजहाँपुर	923
2	नीमराना	887
3	बहरोड़	897

स्त्रोत : जिला सांख्यिकी कार्यालय, अलवर

सारणी से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ नगरीय समूह का लिंगानुपात क्रमशः 923, 887 एवं 897 है अर्थात् इस नगरीय समूह में सर्वाधिक लिंगानुपात शाहजहाँपुर का 923 एवं न्यूनतम लिंगानुपात नीमराना का 887 है।

शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ (SNB) नगरीय समूह केनगर एवं कस्बों का लिंगानुपात वर्ष (2011)

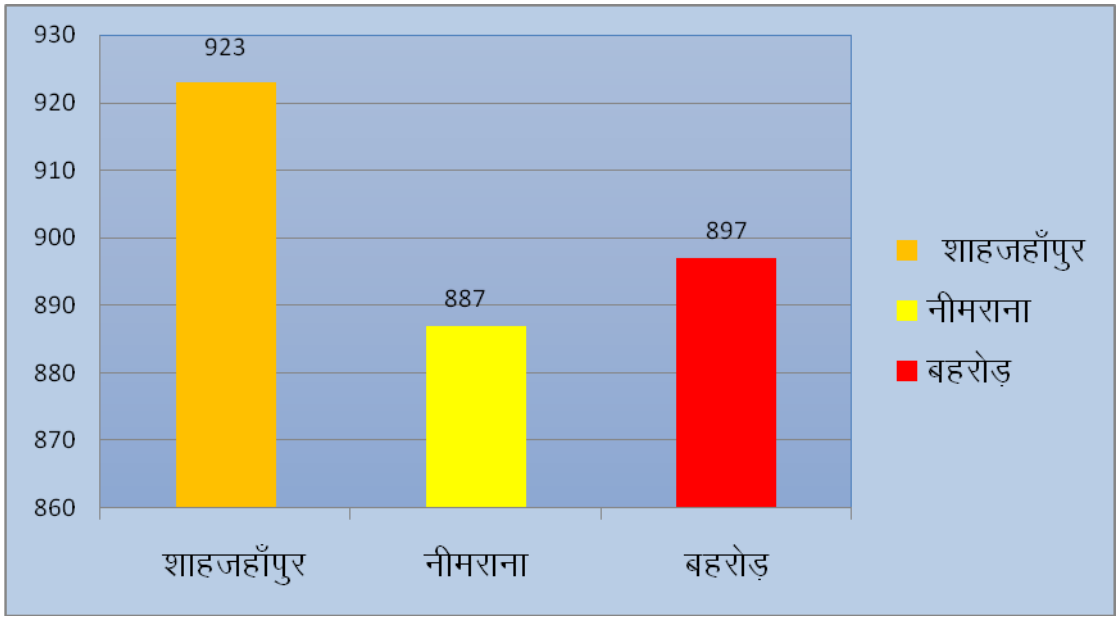

साक्षरता

साक्षरता किसी भी सभ्य समाज के विकास का मापदण्ड है। साक्षर व्यक्तियों को सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा संचालित विकास कार्यों की जानकारी अधिक होती है। समाज का यही वर्ग किसी भी कार्यक्रम के क्रियान्वयन में अपनी सहभागिता निभाता है। साक्षर व्यक्ति में किसी भी कार्यक्रम के सकारात्मक व नकारात्मक पहलूओं के मूंल्याकन करने की क्षमता अधिक होती है।साक्षरता जनसंख्या की गुणात्मक विशेषता है जो किसी क्षेत्र के सामाजिक व आर्थिक विकास की एक यथार्थ व विश्वसनीय सूचक है।साक्षरता दर को प्रभावित करने वाले कारकों में आर्थिक विकास का स्तर, नगरीकरण, जीवन स्तर, महिलाओं की सामाजिक स्थिति, विभिन्न शैक्षणिक सुविधाओं की उपलब्धता तथा सरकारी नीतियाँ प्रमुख है।

वर्ष 2011 के आंकड़ों के आधार पर शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ नगरीय समूह का औसत साक्षरता स्तर 84.57 प्रतिशत है, जिसमें पुरूष साक्षरता 92.66 प्रतिशत एवं महिला साक्षरता 75.02 प्रतिशत है। इस नगरीय समूह में पुरूष साक्षरता की तुलना में महिला साक्षरता कम है। इसका प्रमुख कारण स्त्रियों का शिक्षा के प्रति जागरूक न होना है तथा इसके अलावा अध्ययन क्षेत्र में जनसंख्या का ज्यादा भाग ग्रामीण होने के कारण पुरूष व स्त्रियाँकृषि कार्यों में लगे हुऐ हैं एवं बच्चों को भी शीघ्र ही खेती के काम में लगा लिया जाता है। वर्तमान समय में क्षेत्र में आज भी बच्चों को स्कूल न भेजकर घरेलू व कृषि कार्यों में अधिकाधिक रूप से लगाया जाता है। साथ ही क्षेत्र में शैक्षिक सुविधाओं का भी अभाव है।परन्तु अध्ययन क्षेत्र में सरकार ने साक्षरता को बढ़ाने हेतु शिक्षा कार्यक्रम चलाये हैं एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षण संस्थाओं की स्थापना आदि के माध्यम से प्रयास किए है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों में सरकार विशेष आर्थिक भार उठाकर शिक्षा के प्रसार का प्रयास कर रही है जिससे अध्ययन क्षेत्र में शिक्षा का स्तर बढ़ रहा है। सारणी में शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ नगरीय समूह के नगर एवं कस्बों की साक्षरता दर को प्रदर्शित किया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है–

RRIJM 2015, All Rights Reserved

शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ (SNB) नगरीय समूहके नगर एवं कस्बों की साक्षरता दर प्रतिशत में (2011)

क्र. सं.	नगरीय समूह	पुरूष साक्षरता	स्त्री साक्षरता	कुल साक्षरता प्रतिशत
1	शाहजहाँपुर	94.55	74.24	84.72
2	नीमराना	91.98	75.71	84.29
3	बहरोड़	92.15	75.13	84.07

स्त्रोत : जिला सांख्यिकी कार्यालय 2011

सारणी से स्पष्ट होता है किशाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ की कुल साक्षरता दर क्रमशः 84.72, 84.29 एवं 84.07 प्रतिशत है। तीनों नगरीय समूहों में सर्वाधिक साक्षरता दर शाहजहाँपुर कस्बे की 84.72 प्रतिशत है। वहीं सबसे कम साक्षरता दर बहरोड़ नगर की 84.07 प्रतिशत है। उपरोक्त नगरीय समूह में सर्वाधिक पुरूष साक्षरता दर शाहजहाँपुर की 94.55 प्रतिशत है। वहीं सबसे कम पुरूष साक्षरता दर नीमराना की 91.98 प्रतिशत है, साथ ही महिला साक्षरता सर्वाधिक नीमराना की 75.71 प्रतिशत है, जबकि सबसे कम महिला साक्षरता दर शाहजहाँपुर की 74.24 प्रतिशत है।

शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ (SNB) नगरीय समूहके नगर एवं कस्बों की साक्षरता दर प्रतिशत में (2011)

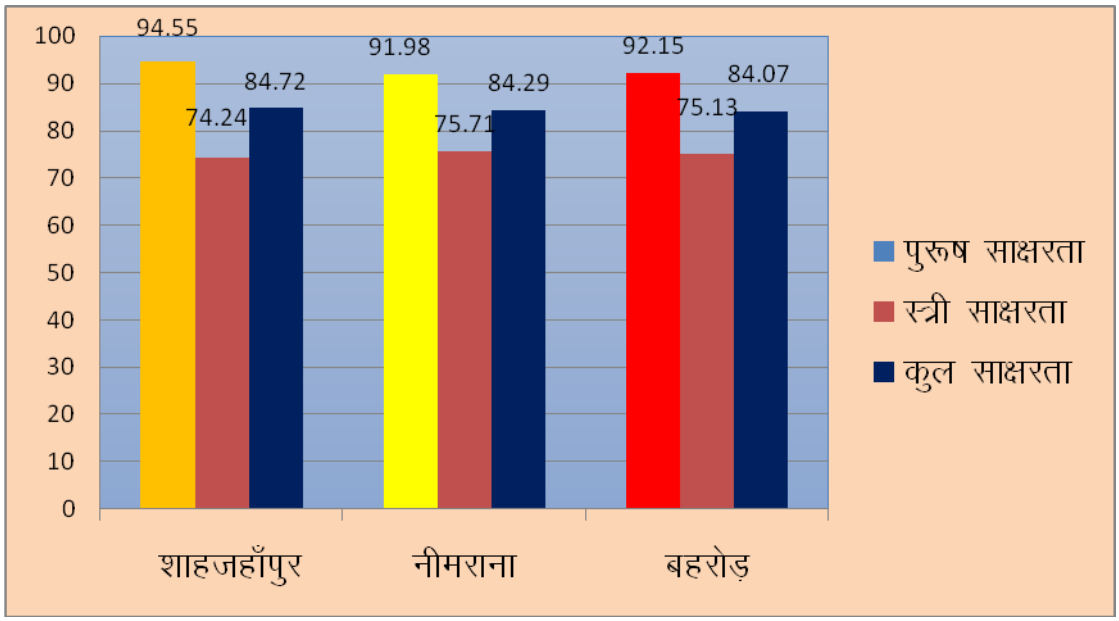

कार्यात्मक संरचना

कार्यात्मक संरचना से तात्पर्य किसी क्षेत्र विशेष की जनसंख्या के कार्यों में संलग्न होने से है। वर्ष 2011के आंकडो के अनुसार अध्ययन क्षेत्र शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ नगरीय समूह की कुल जनसंख्या में 118356 मुख्य कार्यशील, 50614 सीमान्त कार्यशील और 145390 अकार्यशील श्रमिक शामिल है। अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या को कार्यात्मक संरचना की दृष्टि से तीन भागों में निम्न प्रकार विभक्त किया गया है। 1. मुख्य कार्यशील 2. सीमान्त कार्यशील 3. अकार्यशील। सारणी में शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़ नगरीय समूह की कार्यशील जनसंख्या संरचना को प्रदर्शित किया गया है, जिसका विवरण निम्नानुसार है–

शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़नगरीय समूह की कार्यषील जनसंख्या संरचना (2011)

कार्यशील जनसंख्या का प्रकार	वर्ष 2011			
	कुल जनसंख्या	पुरूष	महिला	प्रतिशत
मुख्य कार्यशील	118356	78640	39716	37.64
सीमान्त कार्यशील	50614	16647	33967	16.10
अकार्यशील	145390	62675	82715	46.24
कुल कार्यशील	168970	95287	73683	53.74

स्त्रोत : जिला सांख्यिकी कार्यालय, अलवर

RRIJM 2015, All Rights Reserved

शाहजहाँपुर–नीमराना–बहरोड़नगरीय समूह की कार्यषील जनसंख्या संरचना (2011)

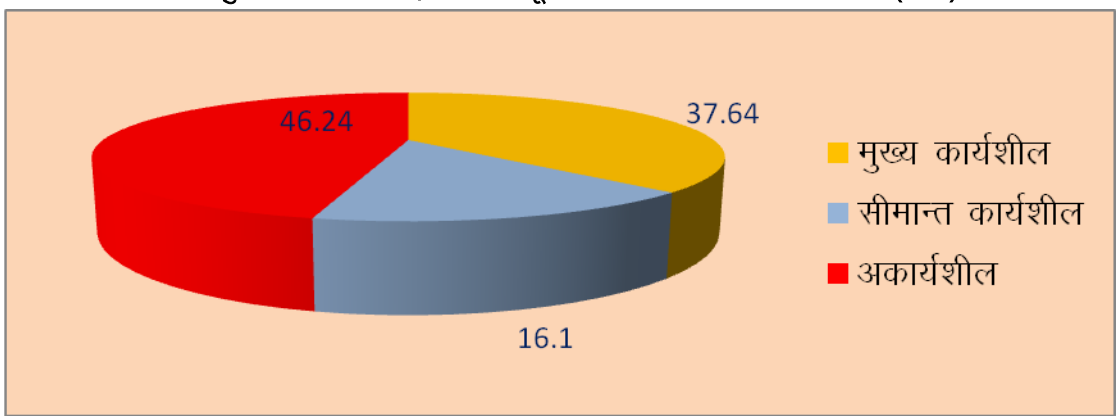

मुख्य कार्यशील–

मुख्य कार्यशील जनसंख्या से तात्पर्य एक वर्ष में कम से कम 180 कार्य दिवसों से अधिक कार्य करने वाले व्यक्तियों की संख्या से है। अध्ययन क्षेत्र में मुख्य कार्यशील जनसंख्या वर्ष 2011 में 37.64 प्रतिशत थी। जिसमें पुरूष मुख्य कार्यशील जनसंख्या 78640 तथा महिला मुख्य कार्यशील जनसंख्या 39716 है।

सीमांत कार्यशील –

सीमांत कार्यशील जनसंख्या से तात्पर्य कार्यों में संलग्न ऐसे व्यक्तियों से है जिन्होंने परिगणना से पूर्व एक वर्ष में 6 महिनें से कम अवधि तक कार्य किया है, इस प्रकार इनका कार्य 180 दिन से कम होता है। अध्ययन क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में सीमान्त कार्यशील श्रमिकों में स्त्रियों की संख्या अधिक होती है, जिसका मुख्य कारण ग्रामीण क्षेत्रों में स्त्रियों का कृषि कार्यों मेंसंलग्न होना है,अध्ययन क्षेत्र में सीमांत कार्यशील जनसंख्या वर्ष 2011 मे 16.10 प्रतिशत थी। जिसमें पुरूष सीमांत कार्यशील जनसंख्या 16447 तथा महिला सीमांत कार्यशील जनसंख्या 33967 है।

अकार्यशील–

अकार्यशील जनसंख्या में उन व्यक्तियों को सम्मिलित किया जाता है, जिन्होंने परिगणना से पूर्व के वर्ष में आर्थिक रूप से किसी भी उत्पादन कार्य में भाग नहीं लिया है। अध्ययन क्षेत्र में अकार्यशील जनसंख्या वर्ष 2011 मे 46.24 प्रतिशत थी,जिसमें पुरूष अकार्यशील जनसंख्या 62675 तथा महिला अकार्यशील जनसंख्या 82715 है।

निष्कर्ष –

जनसंख्या वितरण में नगरीय समूह की जनसंख्या संरचना की कुल संख्या में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति जनसंख्या का उल्लेख किया गया है। जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों का SNB नगरीय समूह के संदर्भ में विस्तृत उल्लेख किया गया है। साथ ही नगरीय समूह के जनसंख्या वितरण का SNB नगरीय समूह के नगर व कस्बों के अनुसार उल्लेख किया गया है। SNB नगरीय समूह की जनसंख्या वृद्धि दर को 1971 से 2011 तक सारणीयन व आरेखन के द्वारा प्रदर्शित किया गया है। SNB नगरीय समूह के लिंगानुपात को भी नगर व कस्बों के अनुसार प्रदर्शित किया गया है। SNB नगरीय समूह की साक्षरता दर का नगर व कस्बों के अनुसार प्रदर्शित कर उनका विश्लेषण किया गया है, कि किन–किन स्थानों पर साक्षरता दर अधिकतम व न्यूनतम है। SNB नगरीय समूह की कार्यशील जनसंख्या में मुख्य श्रमिक, सीमांत श्रमिक और गैर श्रमिकों का अध्ययन कर आरेखन के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।

संदर्भ ग्रन्थ –

1. आर.सी. चाँदना, जनसंख्या भूगोल, प्रवालिका पब्लिकेशन, गोरखपुर।
2. एच.एम. सक्सेना, राजस्थान का भूगोल, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
3. मास्टर प्लान, SNB
4. जनगणना विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर।

RRIJM 2015, All Rights Reserved